৭৬১৮ / 35Rs.

BIHAR

पैंतीस रुपया

भारत INDIA

THIRTY FIVE RUPEES

3.7.71.

মোকদ্দমা দাখিলা

১। মোকদ্দমা দায়ের - ১। শ্রী [illegible] - ২। শ্রী [illegible] -

৩। শ্রী [illegible] - পিতা [illegible] - সাকিন - [illegible] - [illegible] থানা [illegible] জেলা [illegible] হাল সাকিন [illegible] [illegible]

২। মোকদ্দমা [illegible] - শ্রী [illegible] - পিতা [illegible] - সাকিন [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

৩। নিম্নে লেখা মোকদ্দমা দাখিলা। [illegible] পত্র।

৪। [illegible] মূল্য ১০০০ [illegible]।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।
[illegible] - B. D. O. Office [illegible].

[illegible] - [illegible] - [illegible] - ২০ [illegible] -
[illegible] [illegible]।

राजेश्वर प्रसाद साह

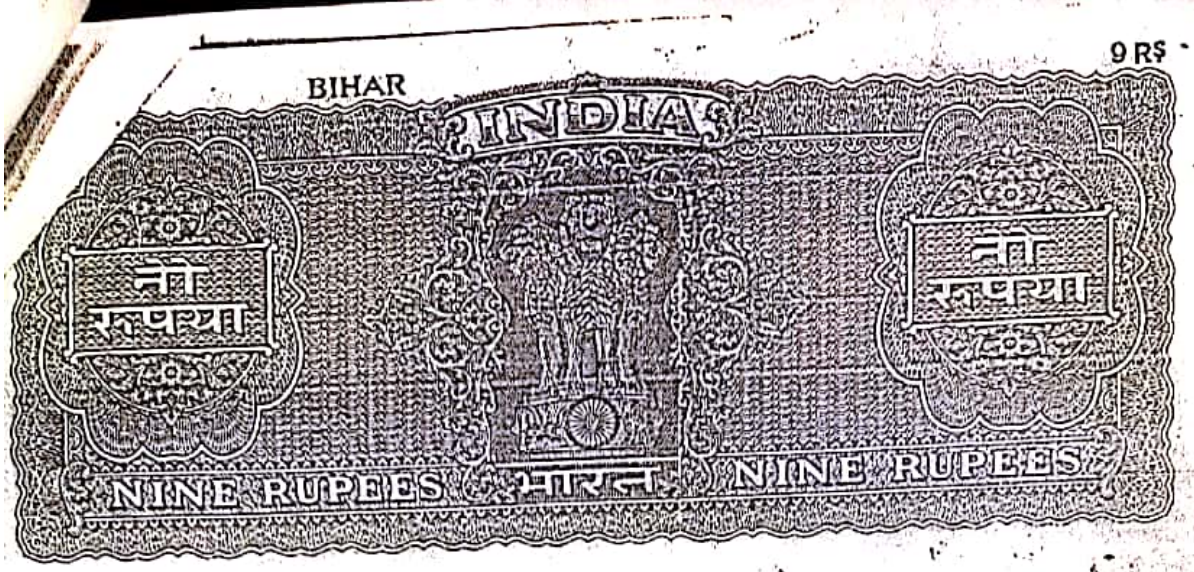
BIHAR
INDIA
नौ रुपया
NINE RUPEES
NINE RUPEES
नौ रुपया

জন্য বিক্রয় কোষ কোবালা দলিল সম্পাদন অভিপ্রায়ে বিজ্ঞাপন করিলে,
উপরোক্ত সম্পত্তির মূল্য উচিত অগ্রাহ্য করত উপরোক্ত সমস্ত
স্বত্ব দখলী [illegible] প্রকার খরচে আপনি আমার নিকট
হইতে ক্রয় করিতে রাজী হইলে উভয় পক্ষের সম্মতিক্রমে সর্বোচ্চ মূল্য নির্ধারিত
মূল্যের [illegible] ১৩০০, [illegible] টাকা মূল্যে আপনার নিকট বিক্রয়
[illegible] এই বিক্রয় কোবালা দলিল লিখিয়া দিয়া সম্পূর্ণরূপে
নিঃস্বত্ব হইলাম। আপনি অদ্য হইতে আমার ত্যাজ্য স্বত্ব স্বত্বাধিকার
প্রাপ্ত হইয়া দান বিক্রয়াদি [illegible] হস্তান্তর করিবার ক্ষমতা প্রাপ্ত হইলেন
[illegible] উক্ত সম্পত্তি ও সমস্ত [illegible] আপনি রাজস্ব [illegible]
[illegible] দাখিল করিয়া [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] আমার বা আমার ওয়ারিশগণের
[illegible] কোন দাবী দাওয়া বা আপত্তি থাকিবে না এবং
[illegible] [illegible] দাবী দাওয়া বা আপত্তি করিলে তাহা
অগ্রাহ্য হইবে [illegible] [illegible] হইবে। উক্ত বিক্রীত সম্পত্তি
আমি আমার [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] হইলাম। বিক্রীত সম্পত্তি [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] নাই। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ওয়ারিশগণ আপনার
ওয়ারিশগণের নিকট [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
আপনি অদ্য হইতে [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] দান বিক্রয়াদি [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ওয়ারিশগণ
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] বিক্রীত সম্পত্তি
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] বুঝিয়া পাইলাম।

এতদর্থে আপন ইচ্ছায় সুস্থ শরীরে
সরল মনে [illegible] বিনা প্ররোচনায় এই বিক্রয় কোবালা
দলিল লিখিয়া দিয়া সম্পাদন করিলাম। ইতি সন ১৩৭৮
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ইংরাজী সন ১৯৭২
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

দলিল [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

Dhaibad 3/7/72 [illegible] 7/72 [illegible] 7/7/72 [illegible]

[illegible] [illegible]

BIHAR
INDIA
TWO RUPEES
TWO RUPEES

ইহাতে – কোন প্রকার – দাবী দাওয়া থাকিবেনা।

এতদর্থে আমরা সুস্থশরীরে – এই দানপত্র লিখিয়া দিয়া সম্পাদন করিলাম।

বাংলা সন – ১৩৭৮ – তেরশত – আটাত্তর সাল তাং আষাঢ় – ইংরাজী ১৯৭১ উনিশশত – একাত্তর – সাল তাং ৩ রা জুলাই।

ইসাদী ও লেখক

শ্রী [illegible]

তফসীল – জেলা চৌকি ও সাবরেজেষ্ট্রী [illegible] থানা [illegible] মৌজা [illegible] খতিয়ান ১০২ দাগ নং ২২২০ দাগের ৩ – ৭ এক – একড় সাত – ডিসমিল – মধ্যে ২৩ ডিসমিল জমি।

[illegible] ও [illegible] করিলাম।

[illegible signature]

[illegible] ৩।৭।৭১

শ্রী [illegible] ৩।৭।৭১

[illegible]

श्री श्री हरि

1. केवाला दातागण :– (1) श्री दुर्गाचरण महतो (2) श्री धुमा महतो (3) श्री राधु महतो सभी पिता–स्व0 पराण महतो, जाति–कुर्मी महतो, पेशा–खेती, सा0–जामगोड़िया, परगणा–खासपेल, थाना–चास, चौकि सब रजिस्ट्री ओ जिला–धनबाद।

2. केवाला ग्रहिता :– (1) श्री रामनाथ साव पिता–स्व0 शिव नारायण साव जाति–हलुवाई (साव) पेशा–खेति, सा0–जामगोड़िया, परगणा–खासपेल, थाना–चास, चौकि सब रजिस्ट्री ओ जिला–धनबाद।

3. 6,000/– छः हजार रूपये मुल्य के रसिद।

चुंकि रसिद पत्र कि कार्यकाल विवरण यह है कि निम्नलिखित तफशील वर्णित जमीन समुह आज तारिख के रजिस्ट्रिकृत केवाला दलिल नं0 17179 नं0 17180 नं0 17181 द्वारा के हमलोग आपको निर्धारित मुल्य 6,000/– (छः हजार) रू0 में विक्रय करके निंस्वत्व हुये। उक्त विक्रित जमीन के मुल्य वावत नगद सभी 6,000/– रू0 समझकर लेकर यह रसिद लिख दिया एवं साथ साथ उक्त दलिल के मुल रसिद को उपर में हि उपयुक्त रूप से एन्डोस करके दिया। इससे किसी प्रकार के दावी–दावा नहीं रहेगा।

अतः हमलोग सुस्थ शरीर से यह रसिद लिख देकर सम्पादन किया। वंग्ला 1378 साल तारिख आषाढ़ अंग्रेजी 1971 साल तारिख 3 जुलाई इसादी व लेखक श्री राजेन्द्र नाथ महतो।

तपशील जिला चौकी ओ सब रजिस्ट्री धनवाद परगना–खसपेल थाना चास मौजा–जामगड़िया मौजा नं0–53, खाता नं0–102, प्लॉट नं0–1220, परिमाण–1.7 एक एकड़ सात डि0 में से $21^3/_4$ डि0 मात्र।

पक्षगणको दलिल पढ़कर सुनाया एवं इसका मतलब समझा दिया।

शुभनाथ महतो
03/07/71

श्री जितवाहन सिंह चौधरी
मो0 धनवाद 03/07/71

NOTARY PUBLIC
Govt. of Jharkhand (India)

ATTESTED

S. D. K. Mahto
NOTARY PUBLIC
Bokaro (Jharkhand)
Regn. No.-703/16J

Scanned with CamScanner

श्री श्री हरि
केवाला दलील

दस्तावेज संख्या–17181
दिनांक–03/07/1971

1. केवाला दातागण :– (1) श्री दुर्गाचरण महतो (2) श्री धुमा महतो (3) श्री राधु महतो सभी पिता–स्व0 पराण महतो, जाति–कुर्मी महतो, पेशा–खेती, सा0–जामगोड़िया, परगणा–खासपेल, थाना–चास, चौकि सब रजिस्ट्री ओ जिला–धनबाद।

2. केवाला ग्रहिता :– (1) श्री रामनाथ साव पिता–स्व0 शिव नारायण साव जाति–हलुवाई (साव) पेशा–खेति, सा0–जामगोड़िया, परगणा–खासपेल, थाना–चास, चौकि सब रजिस्ट्री ओ जिला–धनवाद।

3. विक्रय खोस केवाला दलील

4. विक्रीत सम्पत्ति का मूल्य 1,000/– एक हजार रूपया मात्र जमींनदार मालिक विहार सरकार वाहादुर मोकाम–धनवाद, बि0डी0ओ0 ऑफिस चास। जिसका सालाना मालगुजारी हारा हारी के अनुसार जो देय है 20 (बीस) नया पैसा मात्र। जमीन विक्रय करने का कारण – महाजन का देना शोध करने वास्ते वो सांसारिक खर्च करने वास्ते रूपया कि आवश्यक होने पर।

5. तफशिल संपत्ति : जिला चौकि ओ साव रजिस्ट्री धनवाद परगना खासपेल थाना चास अन्तर्गत् मौजा जामगोड़िया, मौजा नं0–53, खाता नं0–102, प्लॉट नं0–1220, आमाटांड–गोड़ा तीन परिमाण 1.07 डि0 (एक एकड़ सात) डि0 मात्र में से 7 डि0 मेरी निजांश जमीन विक्रय किया ज़ो कायमी रायती स्थितीवान खास दखिली जमीन। जो सर्वे सेटेलमेन्ट माप काल में हमलोगों के पितामह मृत महेन्द महतो के नाम से पर्चा में लिपिवद्ध हुआ है। प्रकाश रहे कि उक्त जमीन आदि अंगेजी 1962 साल में हमलोगों के मोखिक सुत्र में केवाला विक्री किये है एवं उसी समय से दखल प्रदत्त में है एवं इसपर इंटा का पक्का छः कमरे एवं आठ फिट उँचाई इंटा का प्राचिर से घिरा हुआ है। विक्रित जमीन चास नोटिफाईट एरिया के अन्तर्गत है।

चौहद्दी :– उ0–आकलु महतो दि0 राम नाथ साव, पुरव–दुर्गाचरण महतो के तालाव, प0–पी0डब्लु0 डी0 रोड, चास से धनवाद।

चुकिं विक्रय खोस केवाला दलील का विवरण यह कि उपरोक्त कारण के लिए रूपया का आवश्यक होने पर उपरोक्त तपशील वर्णित जमीन आदि विक्रय करने का प्रस्ताव करने पर आप वह क्रय करने के लिए राजी होकर उभय पक्षों कि सम्मति से उक्त संपत्ति को समयोचित सर्वोच्चो मुल्य

NOTARY PUBLIC
S. D. K. Mahto
Bokaro Jharkhand
Regn. No. 703/18
Govt. of Jharkhand (India)

रमेश्वर प्रसाद साव

Scanned with CamScanner

1,000/– (एक हजार) रूपया में आपको विक्रय कर हमेशा के लिए केवाला दलील लिखा दिया और संपुर्ण रूप से निःस्वत्व हुए।

आप आज तारीख से हि हमलोगों को स्वत्व में उसपर स्वत्ववान होकर खास में या प्रजाविली आदि द्वारा दान विक्रय आदि सभी विषय का हस्तांतराणदि वो दखलीकार का मालिक होकर पुत्र व पौत्रादिगण क्रम से माय वारिसान वो स्थलाभिषिक्तगण क्रम से चिरकाल परम सुख से भोग दखल करते रहेगें। इससे मेरी वारिसान का जो किसी प्रकार का दावा दावी या उजर आपत्ति नहीं रहा करने पर वह करेगें तो कानुनन नामंजुर वो वातिल होगा। उक्त विक्रीत संपत्ति से हमलोगों का जो कुछ भी स्वत्व स्वामित्व वो अधिकार व लाभ था वह चिरकाल के लिए वंचित हुए। विक्रीत संपत्ति में किसी प्रकार का दाय संयोग किया नही हूँ। प्रकाश रहे कि भविष्य में किसी प्रकार दाय संयोग या वाधा उत्पती घटने पर मेरे वारिशानगण आपका वारिशनगण के समक्ष क्षतिपुरण के लिए वाध्य रहेगें। आप आज तारिख से ही हमलोग के स्वत्व में स्तववान रहकर खास में या प्रजाविली आदि द्वारा दान विक्रय के दखलिकार रहकर मालिक होकर पुत्र–पुत्रादी अपने वारिशन तथा स्थलाभिषिक्तगण करते हुऐ उक्त विक्रीत जमीन के सलाना खाजना मालिक विहार सरकार वाहादुर अथवा उनका क्षमता प्राप्त कर्मचारी के समक्ष सालो–साल आदाय देकर हमलोग के नाम खारिज करते हुए अपने नाम से चेक दाखिला ग्रहण करेगें। नाम खरिज करते समय जो भी करना कर्तव्य होगी व करेगें। आपके समक्ष से सभी रूपया प्राप्त किये।

अतः अपनी स्वेच्छा से स्वथ्य शरीर में रहकर विना किसी के अनुरोध से यह विक्रय खोस केवाला दलील लिख देकर संपादन किया इति सन् 1378 साल तारिख 18 आषाढ़ अंग्रेजी 1971 साल तारीख 03 जुलाई।

दलील पक्षगण को पढ़कर सुना दिया गया वो मतलव समझा दिया। इसादी व लेखक श्री छोटे लाल महतो मो0 धनवाद 03.07.71 शम्भु नाथ महतो, जितवाहन सिंह चौधरी 03.07.71

NOTARY PUBLIC Govt. of Jharkhand (India)

ATTESTED

S. D. K. Mahto 09/02/2023

NOTARY PUBLIC
Bokaro (Jharkhand)
Regn. No.-703/16

Scanned with CamScanner